# University in News on 28 April 2023

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

### पीएचडी के पांच विषयों की मेरिट सूची जारी

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को पीएचडी के पांच विषयों की मेरिट सूची कर दी। इसमें फिजिकल एजुकेशन, फिलॉसफी, अंग्रेजी, भूगोल और गणित विषय शामिल हैं। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in सूची देख सकते हैं। (संवाद)

### लविवि में आज से समाजशास्त्र सम्मेलन

**लखनऊ।** नई शिक्षा नीति 2020 क्षेत्रीय समाजवाद की अवधारणा को साकार कर रही है। प्रो. राधाकमल मुखर्जी ने लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना के समय जिस समाजवाद की कल्पना क्षेत्रीय समाजवाद के माध्यम से की थी, नई शिक्षा नीति में उन सभी पहलुओं को छुआ गया है। समाजवाद की संपूर्ण परिभाषा बिना क्षेत्रीय समाजवाद को शामिल किए पूरी नहीं की जा सकती है। ये बातें समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. डीआर साहू ने कहीं। वह बृहस्पतिवार को विभाग में होने वाले तीन दिवसीय समाजशास्त्र सम्मेलन की जानकारी देते हुए पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। लविवि का समाजशास्त्र विभाग स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर होने पर 28 से 30 अप्रैल अर्धवार्षिक समाजशास्त्र सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। भारतीय समाजशास्त्र परिषद के सहयोग से होने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र व अन्य क्षेत्रों में प्रचलन व संभावनाएं विषय पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में विवि के तीन भवनों में 30 सेशन होंगे। इस दौरान 300 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। (संवाद)

## HINDUSTAN PAGE 7

### एलयूः अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार से समाजशास्त्र विभाग व भारतीय समाजशास्त्र परिषद की ओर से 'क्षेत्रों का समाजशास्त्र एवं क्षेत्रों में समाजशास्त्र' पर तीन दिवसीय मिड टर्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में कोविड के दौरान किस तरह से लोगों की मदद की गई और किसी तरीके से वैक्सिनेशन किया गया ऐसे ही प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

### कार्यशालाः हर एक का व्यक्तित्व अलग

लखनऊ। एलयू के मनोविज्ञान विभाग द्वारा वंडर्सः होल्डिंग हैंड्स बाय एलुमनी पर सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में चौथे दिन वक्ता बीएचयू की सहायक प्रोफेसर डॉ. स्वर्ण लता रही। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एलयू की आईक्यूएसी टीम द्वारा जिओ टैगिंग तथा उसके अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। एमबीए छात्र प्रखर ने उपयोगिता बताई।

## AMRIT VICHAR PAGE 4

### कम अंक आने पर कॅरियर नहीं बिगड़ता

लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एचओडी डॉ. अर्चना शुक्ला ने कहा कि इस बदलते युग में कम नंबर आये या एक बार फेल हो गये तो इससे कॅरियर खराब हो जायेगा ये कहना गलत होगा। बच्चों को हौसला रखना होगा। बच्चे किसी भी प्रकार का परीक्षा को लेकर तनाव न लेने पाये इस पर माता पिता की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह कैरियर को लेकर अपनी महत्वाकांक्षा बच्चे पर न थोपें। बल्कि बोर्ड परीक्षा में बच्चे का उत्साह बढ़ायें। परिणाम जब भी जारी होते हैं तो यदि कोई बच्चा फेल होता है तो यहां पर माता पिता को बच्चे का हौसला बढ़ना चाहिए और अगले साल के लिए फिर तैयारी के लिए प्रेरित करना चाहिए। जिससे उनको मनोबल न कम हो।

## JAGRAN CITY PAGE III

### बीवीए, एमवीए में भी एंट्री एक्जिट की सुविधा जल्द

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में संचालित कोर्सों में भी जल्द राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का पैटर्न लागू होगा। इसके लिए कालेज प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। बैचरल आफ विजुअल आर्ट (बीवीए), मास्ट आफ विजुअल आर्ट (एमवीए) में विद्यार्थियों को एंट्री व एक्जिट की सुविधा मिलेगी।

लविवि ने सबसे पहले अपने यहां एनईपी लागू की थी, लेकिन अभी तक प्रोफेशनल कोर्सों में इसकी सुविधा नहीं थी। अब कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्रोफेशनल कोर्सों में भी इसे शुरू करने की तैयारी चल रही है। कालेज के डीन डा. रतन कुमार ने बताया कि कोर्स के प्रारूप को लेकर हम लोग काम कर रहे हैं। इस संबंध में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय से फाइन आर्ट्स के विशेषज्ञों को बुलाने की प्रक्रिया चल रही है ताकि प्रारूप को विस्तृत रूप से तैयार किया जा सके। दूसरे विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न भी देखे जा रहे हैं। उसके अनुसार प्रैक्टिकल में एसाइनमेंट पर ज्यादा फोकस रहेगा। प्रारूप तैयार होने के बाद बोर्ड आफ स्टडीज से पास करने के बाद लविं से मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

### डाटा संकलन की दी जानकारी

लखनऊ : लविं की इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आइक्यूएसी) की ओर से गुरुवार को कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रो. संगीता साहू ने सभी समन्वयकों को आइक्यूएसी की कार्य पद्धति तथा संबंधित डाटा संकलन के विभिन्न पक्षों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला में जिओ टैगिंग तथा उसके अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उपयोग करने के लाभ से भी अवगत कराया। (जासं)

### अर्थव्यवस्था व विकास पर आज होगी चर्चा

जासं, लखनऊ: लविं के समाजशास्त्र विभाग की ओर से भारतीय समाजशास्त्र परिषद का मिड टर्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 28 अप्रैल को आयोजित हो रहा है। इसमें देश और विदेश से छह सौ से अधिक समाजशास्त्री, प्रोफेसर के जुड़ने की संभावना है। समारोह गिरी संस्थान के डायरेक्टर प्रो. प्रमोद कुमार लेक्चर देंगे।

समाजशास्त्र परिषद की अध्यक्ष प्रो. आभा चौहान सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ हिमाचल प्रदेश धर्मशाला, सचिव प्रो. मनीष के वर्मा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मुख्य अतिथि जी. पटनायक रहेंगे। आयोजन सचिव प्रो. डीआर साहू ने बताया कि सम्मेलन में क्षेत्र, संस्कृति, नागरिकता, पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और सतत विकास विषयों विशेषज्ञ विचार रखेंगे।

## i-NEXT PAGE 4

# बीवीए, एमवीए में एंट्री, एक्जिट की सुविधा जल्द

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तैयार किया जा रहा कोर्स का प्रारूप**

**LUCKNOW (27 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में संचालित कोर्सों में भी जल्द राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का पैटर्न लागू होगा. इसके लिए कालेज प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है. बैचरल आफ विजुअल आर्ट (बीवीए), मास्ट आफ विजुअल आर्ट (एमवीए) में विद्यार्थियों को एंट्री व एक्जिट की सुविधा मिलेगी.**

### कई कोर्सों में नहीं थी सुविधा

**एलयू ने सबसे पहले अपने यहां एनईपी लागू की थी, लेकिन अभी तक प्रोफेशनल कोर्सों में इसकी सुविधा नहीं थी. अब कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्रोफेशनल कोर्सों में भी इसे शुरू करने की तैयारी चल रही है. कालेज के डीन डा. रतन कुमार ने बताया कि कोर्स के प्रारूप को लेकर हम लोग काम कर रहे हैं. इस संबंध में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय से फाइन आर्ट्स के विशेषज्ञों को बुलाने की प्रक्रिया चल रही है ताकि प्रारूप को विस्तृत रूप से तैयार किया जा सके.**

### एग्जाम पैटर्न भी देख रहे

**दूसरे विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न भी देखे जा रहे हैं. उसके अनुसार प्रैक्टिकल में एसाइनमेंट पर ज्यादा फोकस रहेगा. प्रारूप तैयार होने के बाद बोर्ड आफ स्टडीज से पास करने के बाद लविं से मंजूरी के लिए भेजा जाएगा.**

## VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

# आईक्यूएसी की कार्य पद्धति के बारे में दी जानकारी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी टीम के तत्वावधान में गुरुवार को कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें सभी विभागों के समन्वयक, आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. संगीता साहू तथा सदस्य प्रो. वीके राय, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ. राजेश कुमार खरवार, डॉ आकांक्षा सिंह, डॉ उर्वशी, डॉ ऋषि कांत शामिल हुए।

निदेशक प्रो संगीता साहू ने सभी विभागीय समन्वयकों को आईक्यूएसी की कार्य पद्धति तथा संबंधित डाटा संकलन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि यह वैश्विक पटल पर विश्वविद्यालय की दृश्यता को बढ़ाता है और शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप की संकल्पना में सहायक है। कार्यक्रम में जिओ टैगिंग के विषय में तथा उसके अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उपयोग करने के लाभ पर भी अवगत कराया गया। छात्र प्रखर ने जिओ टैगिंग के उपयोग एवं प्रयोग पर प्रभावशाली डेमन्स्ट्रेशन दिया। उनके साथ शुभम एवं शशांक ने भी इसके विषय में बताया।

लखनऊ विश्वविद्यालय निरंतर, अनुसंधान एवं वैश्विक पटल पर अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के नामांकन को दृष्टिगत रखते हुए अपनी आंतरिक गुणवत्ता पर सतत सुधार के प्रति अग्रसर है। इसके लिए कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों से विस्तृत चर्चा भी की गयी। जिसमें मुख्य रूप से फीडबैक की युक्तियों, परसेप्शन निर्माण, शिक्षकों को दी जाने वाली सुविधाओं तथा शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने वाली गतिविधियों पर चर्चा हुई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के लगभग सभी विभागों के समन्वयकों ने अपनी उपस्थिति एवं सहयोग दिया।